



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 568]

नई दिल्ली, शुक्रवार, सितम्बर 1, 2000/भाद्र, 10, 1922

No. 568]

NEW DELHI, FRIDAY, SEPTEMBER 1, 2000/BHADRA 10, 1922

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय

(वाणिज्य विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 1 सितम्बर, 2000

संख्या 32 (आर ई-2000)/1997-2002

क्रा.आ. 791(अ).— निर्यात तथा आयात नीति, 1997-2002 (31.3.2000 तक किए संशोधन शामिल) के पैराग्राफ 1.3 के साथ पठित विदेश व्यापार (विकास तथा विनियमन) अधिनियम, 1992 (1992 की सं० 22) की धारा 5 के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्र सरकार, एतद्वारा, निर्यात तथा आयात नीति, 1997-2002 (31.3.2000 तक किए संशोधन शामिल) में निम्नलिखित संशोधन करती है:

विदेश व्यापार महानिदेशालय द्वारा अधिसूचित की जाने वाली तारीख से बार कोडिंग निर्धारित करने वाले नीति के पैराग्राफ 14.9 और 14.10 की ओर ध्यान आकृष्ट किया जाता है।

यह निर्णय लिया गया है कि पैरा 14.9 के अनुसार, खुदरा बिक्री हेतु सभी तैयार और पैकेज्ड मर्च हेतु अन्तरराष्ट्रीय प्रतीक प्रयोगों/अन्तरराष्ट्रीय गणना मानकों का इस्तेमाल करते हुए बार कोडिंग लागू करना अनिवार्य होगा। उन मामलों में जहाँ निर्यात की जाने वाली मर्च तैयार और पैकेज्ड हालत में नहीं हैं, निर्यातक को निर्यात के समय बार कोडिंग से छूट का दावा करने के लिए इस आशय की एक घोषणा सीमाशुल्क प्राधिकारियों को प्रस्तुत करनी होगी।

उपर्युक्त के अलावा, पैरा 14.10 के अनुसार, रेडीमेड गार्मेन्ट्स, इंजीनियरिंग उत्पादों, खाद्य उत्पादों, फार्मास्यूटिकल्स, चमड़े की वस्तुओं, खेल-कूद की वस्तुओं,

प्लास्टिक की वस्तुओं और हस्तशिल्प की वस्तुओं से संबंधित खेपों के निर्यात हेतु खेप स्तर पर अन्तरराष्ट्रीय प्रतीक प्रयोगों/अन्तरराष्ट्रीय गणना मानकों का इस्तेमाल करते हुए बार कोडिंग लागू कके लिए निश्चित ज्यामितीय आँकड़ों जैसे की आयताकार/वर्गाकार/बेलनाकार आदि का उल्लेख करते हुए उन्हें कार्टन/टिन कंटेनरों/ड्रमों में पैक करना अनिवार्य होगा।

उपर्युक्त अनुसार सभी निर्यातों के लिए 1 दिसम्बर, 2000 से अन्तरराष्ट्रीय प्रतीक प्रयोगों/अन्तरराष्ट्रीय गणना मानकों का इस्तेमाल करते हुए बार कोडिंग लागू करना अनिवार्य होगा।

इसे लोकहित में जारी किया जाता है।

[फा. सं. 01/94/180/बार कोडिंग/ए एम 01/पीसी-4]

एन० एल० लखनपाल, महानिदेशक,
विदेश व्यापार, पदेन अपर सचिव

MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY

(Department of Commerce)

NOTIFICATION

New Delhi, the 1st September, 2000

No. 32 (RE-2000)/1997-2002

S.O. 791(E).— In exercise of the powers conferred by section 5 of the Foreign Trade (Development and Regulation) Act, 1992 (No. 22 of 1992) read with paragraph 1.3 of the Export and Import Policy, 1997-2002 (incorporating amendment made upto 31.3.2000), the Central Government hereby makes following amendments in the Export and Import Policy, 1997-2002: (incorporating amendment made upto 31.3.2000).

Attention is invited to paragraph 14.9 and 14.10 of the Policy prescribing bar coding for exports from a date to be notified by DGFT:

It has been decided that as per paragraph 14.9, it shall be mandatory for all finished and packaged items for retail sale to implement bar coding using international symbologies/international numbering standards. In such cases where export items are not in finished and packaged state, the exporters shall furnish a declaration to Customs to this effect for claiming exemption from bar coding at the time of export.

In addition to the above, as per paragraph 14.10, it shall be mandatory for export consignments relating to readymade garments, engineering products, food products, pharmaceuticals, leather goods, sports goods, plastic goods and handicraft packed in cartons/tin containers/drums of definite geometrical shapes like rectangular/square/cylindrical etc to

implement bar coding using international symbologies/international numbering standards at the consignment level.

It shall be mandatory for all exports as stated above, to implement bar coding using international symbologies/international numbering standards w.e.f 1st December, 2000.

This issues in public interest.

[F No 01/94/180/bar coding/AM 01/PC-IV]

N L LAKHANPAL. Director General of Foreign Trade
and ex-officio Addl. Secy.

